

Saroj

Ratnagiri Saroski 4

Saroj

Ratnagiri Saroski 4

सर्व परवर्षे दुःखं सर्वमात्मनो सुखम् ।
पुनरु विद्यात् समासेन लक्ष्मिं सखिदेहिमी ॥
सर्व परवर्षे दुःखं सर्वमात्मनो सुखम् ।
पुनरु विद्यात् समासेन लक्ष्मिं सखिदेहिमी ॥

न
नित्यं

Saroj

सर्व परवर्षे दुःखं सर्वमात्मनो सुखम् ।
पुनरु विद्यात् समासेन लक्ष्मिं सखिदेहिमी ॥
सर्व परवर्षे दुःखं सर्वमात्मनो सुखम् ।
पुनरु विद्यात् समासेन लक्ष्मिं सखिदेहिमी ॥

1001

1002

1003

1004

1005

1006











